

The Minister of State in the Ministry of Education and Scientific Research (Dr. K. L. Shrimalli): (a) Yes, Sir.

(b) Rs. 8,100 during 1957-58.

(c) Yes, Sir.

(d) Yes, Sir.

उत्तर प्रदेश में पुस्तकालय

१६२१. श्री सरदू पाठ्य : क्या शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्री यह बताने की हृषा करेंगे कि :

(क) १९५७-५८ में उत्तर प्रदेश को पुस्तकालयों तथा उनमें विस्तार के लिये किननी धनराशि दी गयी ;

(ल) इस अवधि में कितने पुस्तकालय खोले गये तथा कितनों का विस्तार किया गया; और

(ग) किन-किन स्थानों में पुस्तकालय खोले गये हैं अथवा उनका विस्तार किया गया है ?

शिक्षा और वैज्ञानिक गवेषणा मंत्रालय में राज्यमंत्री (डा० का० सा० श्रीबाली) :

(क) ४.१५६५ लाख पय।

(ल) और (ग), राज्य सरकारों से सूचना प्राप्त की जा रही है और सभाधृष्टि पर रख दी जायगी।

Grants to Himachal Pradesh

1922. { Shri Y. S. Parmar:

{ Shri Nek Ram Negi:

Will the Minister of Home Affairs be pleased to state:

(a) the total amount of money made available to Himachal Pradesh Administration towards different items in 1957-58;

(b) the amount spent during 1957-58;

(c) the above amount spent on different major items during the period December, 1957 to March, 1958; and

(d) the amounts lapsed or surrendered at the end of the year 1957-58?

The Minister of State in the Ministry of Home Affairs (Shri Datar): (a) to (d). A statement giving the required information is laid on the Table of the Lok Sabha. [See Appendix VI, annexure No. 98]

हिमालय पर्वतारोहण संस्था

अब भवत दर्शन :

अब स० अं सामन्त :

१६२३. अब नवल प्रभाकर :

अब भवितव्य :

क्या प्रतिरक्षा मंत्री यह बताने की हृषा करेंगे कि :

(क) दार्जिलिंग में हिमालय पर्वतारोहण संस्था के भवन के निर्माण पर कितना व्यय हुआ है; और

(ल) इस भवन के निर्माण के लिए भारत सरकार ने किननी वित्तीय सहायता दी है ?

उत्तरका मंत्री (सरदार भगवंठिया) :

(क) संस्था की इमारत पर ६.४७ लाख पये लंबे होने का घंटाजा है जिसमें से १६५७-५८ में होने वाले लंबे का अन्दाजा ४.६२ लाख रुपये है।

(ल) लेखा जोखा मुकम्मल न होने तक, ३,०४,००० पये की रकम इस प्रकार दी जा चुकी है:—

१६५६-५७	२,८०,०००	रुपये
१६५७-५८	२४,०००	रुपये

संस्था के कुल लंबे का ७० प्रतिशत भारत सरकार देती है। और केन्द्र के इस हिस्से को रक्षा मन्त्रालय और वैज्ञानिक गवेषणा मन्त्रालय के दर्भायान २:१ की निवृत्ति में बांटा जाता है।

Petroleum Companies

1924. Shri D. C. Sharma: Will the Minister of Finance be pleased to state